
shAstRi pa ncakaM

शास्त्र पञ्चकम्

Document Information



Text title : shaastrupancakam

File name : shaastrupancakam.itx

Category : deities_misc

Location : doc_deities_misc

Transliterated by : Antaratma antaratma at Safe-mail.net

Proofread by : Antaratma antaratma at Safe-mail.net

Latest update : April 23, 2008

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

September 16, 2023

sanskritdocuments.org

शास्तृ पञ्चकम्



पादारविन्द भक्तलोकपालनैकलोलुपं
सदारपार्श्वमात्मजाति मोदकं सुराधिपम् ।
उदारमादि भूतनाथमद्भुतात्मवैभवं
सदा रवीन्दुकुण्डलं नमामि भाग्यसंभवम् ॥ १
कृपाकटाक्षवीक्षणं विभूति वेत्रभूषणं
सपावनं सनातनादि सत्यधर्म पोषणं
अपारशक्तियुक्तमात्मलक्षणं सुलक्षणं
प्रभामनोहरं हरीशभाग्यसंभवं भजे ॥ २
मृगासनं वरासनं शरासनं महैजसं
जगधितं समस्तभक्त चित्तरंगसंस्थितम् ।
नगाधिराजराजयोगपीठमध्यवर्तिनं
मृगाङ्कशेखरं हरीशभाग्यसंभवं भजे ॥
समस्तलोक चिन्तितप्रदं सदा सुखप्रदं
समुथितापदन्धकारकृन्तनं प्रभाकरम् ।
अमर्त्यं नृत्तगीतवाद्यलालसं मदालसं
नमस्करोमि भूतनाथमादिधर्मपादुकम् ॥ ४
चराचरान्तर स्थित प्रभामनोहर प्रभो
सुरासुरार्चितांग्रि पद्मयुग्म भूतनायक ।
विराजमानवक्र भक्तमित्र वेत्रशोभित
हरीशभाग्यजात साधुपारिजात पाहि माम् ॥
इति श्री शास्तृ पञ्चकं सम्पूर्णम् ॥



shAstRi pa ncakam

pdf was typeset on September 16, 2023



Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

